VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M
N 16 SEP 2024 No. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2366)

Name of Candidate	ममता		
Medium Hindi/Eng.	हिंदी	Registration Number	1269555
Center		Date	12/09/2024

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
3(c)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **HINDI & ENGLISH**
   इसमें बारह प्रश्न हैं **हिन्दी और अंग्रेजी** में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

2366

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

खंड B / SECTION A

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. (a) डिजिटल प्रभाव के प्रभुत्व वाले युग में कोई परिवार मूल नैतिक सिद्धांतों को प्रभावी ढंग से कैसे प्रसारित कर सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

How can the family effectively transmit core moral principles in an era dominated by digital influences? (Answer in 150 words) 10

हालही में WHO की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि 60% शहरी बच्चे अपना औसतन 4 घण्टे का समय स्क्रीन टाइम में बिता रहे है; जिन्हें 'आईपैड किड' कहा जा रहा है, जो बच्चों के व्यक्तित्व विकास में बाधा उत्पन्न करता है।

परिवार प्राथमिक सामाजिक संस्था है वह बदलते डिजिटल युग में निम्न नैतिक सिद्धांतों का विकास कर सकते है -

① आधारभूत नैतिक मूल्यों - सहयोग, दया, सम्मान, करुणा सिखाना।
उदा. - अपने से बड़ों का सम्मान करना

② बच्चों एवं परिवार में सहज संवाद करना सिखाना।
उदा. - स्कूल की बातों को घर पर बताना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) गलत एवं सही के बीच अंतर करके अपने हक के लिए बोलना।
जैसे :- # Stop Bullying

(4) प्रौद्योगिकी का सकारात्मक उपयोग करके।
जैसे :- हेडस्पेस तथा कैलम जैसे एप ~~डाउन्ड~~ डॉउनलॉड करके दयालुता एवं सहयोग का मूल्य सिखाना

(5) शारीरिक श्रम से परिचय कराना
जैसे :- NSS जैसी व्यवस्था से स्कूल समय से ही जुडना

(6) प्रकृति के साथ सहयोग करना।
जैसे - घर में गार्डन लगाना तथा उसका ध्यान रखना।

किसी भी बच्चे का 75% मानसिक विकास तथा स्थायी मूल्यों का विकास 0-6 आयु ~~वय~~ वर्ग में हो जाता है अतः इस आयु वर्ग में परिवार की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. (b) हालांकि अंतःकरण सामान्य तौर पर नैतिक निर्णय-निर्माण में एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता है, लेकिन कभी-कभी इसकी सीमाएं भी होती हैं। विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Though conscience generally serves as a crucial guide in ethical decision-making, it is sometimes fraught with limitations. Discuss. (Answer in 150 words) 10

अंतः करण एक आंतरिक बोध है जो व्यक्ति को निर्णय - निर्माण में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन का कार्य करती है।

उ बटलर ने दो तरीके से अंतः करण बताया है

① ज्ञानात्मक - सही - गलत निर्णय पर आधारित
② अधिकारात्मक - दबावयुक्त अंतरात्मा।

* नैतिक निर्णय के मार्गदर्शन के रूप में अंतः करण

① नैतिक दुविधाओं को कम करने में सहायक है।
जैसे :- IAS सत्येन्द्र दुबे ने राजमार्ग से जुड़े घोटाले को उजागर किया

② अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का साहस प्रदान करना
जैसे :- नेल्सन मंडेला - रंगभेद विरोधी नीति

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ नैतिक मूल्यों स्थायित्व में सहायक —
जैसे - IAS प्रशांत नायर ने कोझिकोड में भूख की समस्या हेतु प्रयास किया।

अतः करण की सीमाएँ

① आत्मनिष्ठता की अधिकता
जैसे - डॉ. अम्बेडकर तथा महात्मा गांधी के दलित वर्ग संबंधी विचार

② सीमित सोच का निर्माण - हमारे प्रत्यक्ष अनुभवों पर आधारित होना
जैसे - मारवाड़ी बच्चा उद्यम का ही साहस कर पाता है।

③ पूर्वाग्रह से ग्रसित होने का खतरा —
जैसे - बाल विवाह, सती प्रथा का समर्थन

अतः अंतः करण को प्रबुद्धता के स्तर पर ले जा कर निर्णय-निर्माण में हिस्सेदार बनाना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) सार्वजानिक धन के उपयोग को किन नैतिक सिद्धांतों के आधार पर नियंत्रित किया जाना चाहिए? बड़े निगमों को उबारने(bail out) के लिए करदाताओं के पैसे का उपयोग करने के नैतिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What ethical principles should govern the utilization of public funds? Discuss the moral implications of using taxpayer money to bail out large corporations. (Answer in 150 words) 10

सार्वजनिक धन का अर्थ है वह सभी धन जो जनता के द्वारा सरकार के पास पहुँचता है - कर, शुल्क, विनियोग - अन्य उपकरणों के माध्यम से जो भारत की संचित निधि (अनु. 266), लोक लेखा निधि (अनु. 266(2)) तथा आकस्मिक निधि (अनु. 267) के माध्यम से एकत्रित होता है।

सार्वजनिक धन के उपयोग के नैतिक सिद्धांत

(1) पारदर्शिता के साथ उपयोग करना।
जैसे :- CAG की रिपोर्ट

(2) उत्तरदायित्व एवं जवाबदेहिता का निर्धारण करना।
जैसे :- संसद की अनुमति के बिना धन का निधियों से निर्गमन नहीं होना।

2366
VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) सामाजिक न्याय के सिद्धांत हेतु उपयोग।
जैसे:- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013

(4) दक्षता एवं प्रभावशीलता में धन का उपयोग करना
जैसे:- डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर निर्माण

* बड़े उद्योग घरानों में दुरुपयोग : सार्वजनिक धन

(1) क्रोनी पूंजीवाद का बढ़ना - PNB बैंक घोटाला।

(2) पर्यावरणीय मानकों में हेर फेर करना
जैसे:- वाम्सवगन द्वारा मानकों का दुरुपयोग।

(3) सार्वजनिक विश्वास को तोड़ना।
जैसे:- पंजाब एंड महाराष्ट्र सहकारी बैंक घोटाला।

(4) टेंडर में गलत एवं नकली सामग्री उपयोग
जैसे:- बनारस में पुल का गिरना

सरकार सार्वजनिक धन की संरक्षक के रूप में कार्य करने हेतु जनता द्वारा निर्वाचित होती है अतः उसे अपनी जिम्मेदारी निष्ठापूर्वक करनी चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (b) ईमानदारी का अर्थ केवल भ्रष्ट या बेईमान आचरण से बचना नहीं है। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Probity means more than just the avoidance of corrupt or dishonest conduct. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

ईमानदारी (प्रोबिटी) का अर्थ है सार्वजनिक जीवन में अपने नैतिक सिद्धांतों के मध्य आंतरिक सुसंगति एवं एकरूपता का होना।

ईमानदारी में निम्न मूल्य शामिल होते हैं

(1) सत्यनिष्ठा - IAS अशोक खेमका ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान के चलते 30 वर्ष में 55 बार स्थानांतरण का सामना किया।

(2) जवाबदेही - न्यूजीलैंड में मस्जिद बम धमाके के कारण वहाँ की प्रधानमंत्री जेसिंडा ने त्यागपत्र दे दिया।

(3) पारदर्शिता - हालही में सर्वोच्च न्यायालय ने कोर्ट की सभी प्रणालियों को ऑनलाइन करने हेतु - राष्ट्रीय न्याय डेटा ग्रिड का

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

का उपयोग किया है।

(4) अनुक्रियाशीलता – मोरिण्डा कुल्लू एक स्थानीय 'आशा' कार्यकर्ता ने लोगों के तंत्र-मंत्र के स्थान पर अस्पताल के प्रति जागरूकता के माध्यम से स्वास्थ्य नीति को बढ़ाया है।

(5) नेतृत्व – सतीश धवन के नेतृत्व में इसरो के अभियानों का संचालन में सफलता एवं असफलता।

(6) निःस्वार्थता – ई. श्रीधरन ने मेट्रो परियोजना का कार्य समयबद्धता से पूर्ण किया।

उपर्युक्त सभी आधार ~~नाड~~ नोलन समिति के आधार पर ईमानदारी को व्यक्त करते है। जो समग्रता में जीवन मूल्य है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. वर्तमान संदर्भ में निम्नलिखित उद्धरण आपको क्या संदेश देते हैं।

What does the following quotation convey to you in the present context.

(a) "किसी व्यक्ति को नैतिकता के बजाय मानसिक रूप से शिक्षित करना समाज के लिए खतरा पैदा करना है।" - थियोडोर रूजवेल्ट (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"To educate a man in mind and not in morals is to educate a menace to society." - Theodore Roosevelt (Answer in 150 words) 10

शिक्षा के विभिन्न स्तरों - नैतिक, बौद्धिक, शारीरिक इत्यादि में सामंजस्य नैतिक शिक्षा के माध्यम से ही स्थापित होता है। जो व्यक्ति को विनम्र, अनुशासन, दयालु इत्यादि मूल्यों से सम्पन्न बनाता है।

वर्तमान में नैतिक शिक्षा की आवश्यकता क्यों?

(1) केवल मानसिक ज्ञान व्यक्ति को सही गलत का रास्ता नहीं बता सकता है।
जैसे :- ओसामा - बिन - लादेन

(2) भ्रष्टाचार को बढ़ा सकता है -
जैसे :- ICICI बैंक - चंदा कोचर

(3) प्रौद्योगिकी का गलत उपयोग —
जैसे- साइबर अपराध, डाटा चोरी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

नैतिक शिक्षा से क्या होता है?

(1) मानवीयता का विकास —
जैसे :- मलाला यूसुफजई

(2) सामाजिक कट्टरपंथ से बचाव, अतिवादी धारणाओं से बचना
जैसे :- गौतम बुद्ध

(3) संयम, आत्मसात करने के गुणों का विकास
जैसे :- भारतीय संस्कृति की विविधता

(4) शासन, प्रशासन में शुचिता की स्थापना
जैसे :- CAG विनोद राय

(5) नवाचार के प्रति सकारात्मक नज़रिया
जैसे :- मांइडफुल ~~स्कू~~ स्कूलों का विकास

उपर्युक्त सभी मूल्य एवं नैतिकता बच्चों में नैतिकता की शिक्षा के माध्यम से ही विकसित किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (b) "असफलता बस फिर से शुरू करने का अवसर है, इस बार और अधिक समझदारी से।" - हेनरी फ़ोर्ड (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Failure is simply the opportunity to begin again, this time more intelligently." - Henry Ford (Answer in 150 words) 10

असफलता व्यक्ति की वह मानसिक स्थिति है जो उसे और दृढ़ साहस एवं निश्चय के साथ अपने लक्ष्य की तरफ एक और कदम बढ़ने की प्रेरणा देता है।

असफलता का महत्व

① अपनी गलतियों से सीखना।

जैसे:- एडिसन द्वारा प्रकाश बल्ब बनाने में

② निरन्तर धैर्य एवं लगन का विकास

जैसे:- 2008 की मंदी के बाद वारेन बफेट

③ मानसिक मजबूती प्रदान करता है -

जैसे:- जे. के. रौलिंग द्वारा हैरी पॉटर की असफलता से।

2366
VISION IAS™
Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) सकारात्मक मूल्यों का विकास करने में सहायक -

जैसे :- महात्मा गांधी के जीवन में स्वतंत्रता आंदोलन (असहयोग, एवं सविनय अवज्ञा आंदोलन) के दौरान

(5) समझ की गहराई का विस्तार करना

जैसे :- पर्यावरणविद ग्रेटा थनबर्ग

(6) समाज को पहले से कुछ बेहतर मिलना

जैसे :- इसरो की चंद्रयान - 3 की सफलता।

उपर्युक्त सभी पहलू व्यक्ति की मानसिक मजबूती के साथ व्यक्ति एवं समाज के निर्माण में भूमिका निभाते है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (c) "युद्ध के समय कानून मौन रहते हैं।" - सिसरो (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Laws are silent in times of war." - Cicero (Answer in 150 words) 10

युद्ध प्रत्येक स्थिति में एक अनैतिक कृत्य माना जाने वाली व्यवस्था है जिसे वैश्विक स्तर पर अनेक कानूनों के माध्यम से नियंत्रण करने का प्रयास किया जाता है किन्तु वह असफल ही सिद्ध होते दिख रहे हैं जैसे :- रूस- यूक्रेन युद्ध ।

कानून का मौन होना : युद्ध की स्थिति

① मानवाधिकारों का उल्लंघन होना

जैसे :- गाजा में महिलाओं के साथ बलात्कार ।

② युद्ध अपराधियों को सज़ा का प्रावधान नहीं ।

जैसे :- अरब - इजरायल (चार बार युद्ध) युद्ध

2366
VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) अन्तरराष्ट्रीय संगठनों का मौन हो जाना।
जैसे:- UN का इजरायल - फिलिस्तीन संघर्ष में।

(4) नागरिक स्वतंत्रता का हनन
जैसे:- द्वितीय विश्व युद्ध के समय जर्मनी में।

(5) अपनी प्रतिष्ठा हेतु स्थानीय अवसंरचनाओं को नुकसान।
जैसे:- अल- अक्सा मस्जिद पर हमला।

युद्ध, मानव प्रजातियों के साथ-साथ सम्पूर्ण जैविक एवं अजैविक घटक के लिए विनाशपूर्ण है अतः आपसी सहयोग तथा विश्वास से समाधान का रास्ता अपनाना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (a) अच्छा कॉर्पोरेट शासन बौद्धिक ईमानदारी से संबंधित होता है, न कि केवल नियमों और विनियमों से जुड़े रहने से। उदाहरणों के साथ व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Good corporate governance is about intellectual honesty and not just sticking to rules and regulations. Illustrate with examples. (Answer in 150 words) 10

अच्छा कॉर्पोरेट शासन केवल नियम, विनियम पर आधारित न होकर उसकी व्यावहारिक भावना अर्थात् बौद्धिक ईमानदारी पर आधारित होता है।

नियम एवं विनियम की सीमाएँ

① बाह्य बाध्यता प्रदान करता है।
जैसे :- कोयला घोटाला, 2G स्पेक्ट्रम

② अनुपालन में अनियमितताएँ
जैसे :- PNB घोटाला

③ नौकरशाही बने-बनाये ढर्रे पर चलने की आदि।
जैसे :- न्याय मिलने में लगने वाला समय
— कानूनी कार्रवाई का समय

बौद्धिक ईमानदारी का अच्छे कॉर्पोरेट शासन में महत्व

1. सामाजिक न्याय के सिद्धांत पर आधारित
   जैसे:- IAS संदीप नंदुरी द्वारा ट्रांसजेंडर समुदायों हेतु डेयरी फार्म की शुरुआत।
2. नवाचार का बढ़ाना।
   जैसे:- IAS हरि चंदन दसारी द्वारा भूखों के लिए फीड द बीडी रेफ्रिजरेटर की शुरुआत करना।
3. पारदर्शिता को बढ़ाना -
   जैसे:- उच्चतम न्यायालय ने क्षेत्रीय भाषाओं के लिए स्वयं पोर्टल शुरू करना।

उपर्युक्त सभी आधारों पर IInd ARC की चौथी रिपोर्ट - शासन में नैतिकता के आधार पर शासन को सुदृढ़ किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (b) सामान्य तौर पर, किसी संगठन में जितना ऊंचा पद होता है, भावनात्मक बुद्धिमत्ता उतनी ही अधिक महत्त्व रखती है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में कारण बताइए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

In general, the higher a position in an organization, the more emotional intelligence matters. Do you agree with this view? Give reasons in support of your answer. (Answer in 150 words) 10

भावनात्मक बुद्धिमत्ता का अर्थ अपनी तथा दूसरों की भावनाओं को समझने, नियंत्रित एवं प्रबंधित करने की क्षमता ही है।

उच्च पद पर भावनात्मक बुद्धिमत्ता की आवश्यकता

---

① कठिन निर्णय - निर्माण करने हेतु

जैसे:- न्यायमूर्ति एच. आर. खन्ना

② विवादास्पद मामलों का समाधान करने हेतु

जैसे:- अटल बिहारी वाजपेयी

③ टीम भावना हेतु -

जैसे:- मार्क जुकर बर्ग द्वारा कार्यालय का माहौल।

(4) उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करना

जैसे:- IAS सौरभ कुमार द्वारा आदिवासी छात्रों हेतु 'लंच विद कलेक्टर' कार्यक्रम चलाना।

(5) कार्यक्षमता को बढाना।

जैसे:- इंदिरा नूयी द्वारा अपने कर्मचारियों के घर पर प्रशंसा पत्र लिखने।

(6) सामाजिक न्याय करना।

जैसे:- IAS भूपेश चौधरी द्वारा मनरेगा फंड तथा बागवानी को जोड कर किसानों की आय में 14 गुना बढोतरी की।

उपर्युक्त सभी उदाहरण यह स्पष्ट करते हैं कि न केवल वर्तमान महत्व बल्कि भविष्य के महत्व हेतु भी उच्च पदों पर भावनात्मक बुद्धिमत्ता की आवश्यता होती है।

2366

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) तटस्थता और गैर-पक्षपात के अलावा, सहिष्णुता एवं समावेशिता अन्य महत्वपूर्ण मूल्य हैं जो भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में लोक सेवकों को अधिक सक्षम बनने में मदद करते हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ स्पष्ट कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

In addition to neutrality and non-partisanship, tolerance and inclusion are other important values that facilitate the civil servants to be more competent in a diverse country like India. Explain with suitable illustrations. (Answer in 150 words) 10

भारत में विविधतापूर्ण सामाजिक व्यवस्था हेतु सिविल सेवा में तटस्था - निर्णय व्यक्तिगत पूर्वाग्रह से मुक्त - गैर-पक्षपात - राजनीति दल से तटस्थ होकर कार्य करे।

वहीं सहिष्णुता - सामाजिक न्याय तथा समावेशिता - समग्र कल्याण हेतु अनिवार्य मूल्य माने जाते है।

तटस्था और गैर-पक्षपात का महत्व

1. सुशासन की स्थापना - ई- श्रीधरन
2. निर्णय प्रक्रिया न्यायपूर्ण - यू.यू. ललित (न्यायमूर्ति)
3. सार्वजनिक धन का सर्वोत्तम उपयोग

जैसे:- CAG विनोद राय

लोक सेवा में सहिष्णुता एवं समावेशिता का महत्व

① समतामूलक समाज की स्थापना।

जैसे:- IAS सौम्या पांडे ने मोदीनगर में महिला आर्थिक सशक्तीकरण हेतु कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

② अल्पसंख्यक समुदायों में विश्वास का निर्माण।

जैसे:- जिला देवराजन (IPS) ने गांधी भाषा सिखी

③ समानुभूति का विकास

जैसे:- IAS तंबोली अय्याज ने, बस्तर, छत्तीसगढ़ में जिला अस्पताल का निर्माण।

④ समतामूलक विकास

जैसे:- IAS पी. नरहरि ने मध्यप्रदेश में दिव्यांग अवसंरचना का निर्माण।

उपर्युक्त सभी उदाहरण लोक सेवा को जनता के अधिक नजदीक ले जाने में सहायक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (b) सार्वजनिक सेवा वितरण के मुख्य सिद्धांत क्या हैं? भारत में प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण से संबंधित चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What are the key principles of public service delivery? Discuss the challenges associated with providing effective public service delivery in India. (Answer in 150 words) 10

सरकार, जनता को सेवा प्रदायी के संदर्भ में अंतिम अभिकर्ता है अतः जीवन की गुणवत्ता, तथा जनोन्मुख शासन स्थापना हेतु सार्वजनिक सेवा वितरण अनिवार्य है।

मुख्य सिद्धांत

(1) वंचित वर्गों को शामिल करना:- मुख्यधारा में
जैसे:- पी. एम. पोषण एवं सक्षम आंगनवाड़ी

(2) सरकार की नीतियों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही
जैसे:- RTI एवं सिटीजन चार्टर

(3) सशक्त देश के निर्माण में
जैसे:- पी. एम. किसान योजना

(4) तकनीकी के माध्यम से पहुँच सुनिश्चित करना जैसे:- ओडिशा में अनाज ATM

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

PDS (सार्वजनिक वितरण प्रणाली) के तहत लगाना।

(5) उचित शिकायत निवारण तंत्र की स्थापना करना
जैसे :- उपभोक्ता न्यायालय, लोक अदालत

चुनौतियाँ

(1) डिजिटल साक्षरता का अभाव है –
⇒ नीति आयोग के अनुसार केवल 57% लोग ही डिजिटल उपयोग करना जानते हैं।

(2) लालफीताशाही एवं भ्रष्टाचार
जैसे :- यस बैंक घोटाला

(3) रूढ़िवादी मानसिकता
जैसे :- सरकारी कार्यालयों में आज भी कागजी कार्यों को वरीयता देना

(4) फ्रॉड के रूप में दलों द्वारा प्रयोग – PM किसान

उपर्युक्त चुनौतियाँ कार्यात्मक तथा संरचनात्मक स्तर पर है अतः इन्हें उचित प्रशिक्षण, चयन प्रक्रिया में सुधार करके कम किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (a) जब संधारणीय विकास के प्रति अभिवृत्तिक परिवर्तन की बात आती है, तो व्यवहारिक प्रेरणा ही आगे की राह है। उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

When it comes to attitudinal change towards sustainable development, behavioural nudges are the way forward. Illustrate with examples. (Answer in 150 words) 10

संधारणीय विकास का अर्थ पर्यावरण के साथ विकास को संदर्भित करता है जिसमें व्यक्ति की अभिवृत्ति के स्तर पर व्यवहारात्मक पक्ष का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

संधारणीय विकास हेतु व्यवहारिक प्रेरणा

(1) पारिवारिक मूल्यों से संधारणीयता को अपनाना

जैसे:- कपड़े का बैग सब्जी लाने हेतु प्रयोग करना।

(2) विभिन्न विकल्पों में पर्यावरणीय विकल्प को चुनना।

जैसे:- स्विगी का इको-सेवर डिलीवरी

(3) डिजिटल माध्यम को चुनना।

जैसे:- ई-कारलिंग, ई-बिलिंग

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) आपसी प्रतिस्पर्धा के माध्यम से
जैसे :- नीति आयोग द्वारा स्वच्छ भारत इंडेक्स द्वारा

(5) सरकारी सहायता दे कर
जैसे :- पी. एम. कुसुम योजना

(6) जागरूकता के माध्यम से प्रेरणा देना
जैसे :- विज्ञापन, फिल्मों इत्यादि के माध्यम से

(7) पुरस्कृत करके प्रेरणा देना
जैसे :- पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार

(8) देश में व्यावहारिक स्तर पर नीतियों को आंदोलन के रूप में लागू करना
जैसे :- स्वच्छ भारत अभियान

उपर्युक्त सभी उदाहरण व्यक्ति के अभिप्रेरणा के व्यवहार पक्ष हेतु प्रेरणा को ही दर्शाते है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (b) मदर टेरेसा के जीवन से क्या सबक सीखा जा सकता है? समकालीन विश्व में उनकी प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दें)

What lessons can be learnt from the life of Mother Teresa? Discuss their relevance in the contemporary world. (Answer in 150 words) 10

मदर टेरेसा भारत में एक ईसाई मिशनरी के रूप में आयी थी तथा मृत्यु पर्यंत यहीं पर मानव सेवा करते रहे।

सीख शिक्षा की वर्तमान प्रासंगिकता

(1) दया एवं करुणा – प्रत्येक व्यक्ति के प्रति दया एवं करुणा का भाव करना
जैसे:- सर्वोदय के सिद्धांत को लागू करना

(2) समानुभूति – दूसरो के दुख को महसूस करने की अवस्था में जा कर उन्हें दूर करने का प्रयास करना।
जैसे- गाजा के लोगों को वर्ल्ड सेंट्रल किचन द्वारा खाना पहुंचाना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) शांति - शांति मानव जीवन का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए और यही जीवन में स्थायित्व लाता है।

जैसे:- रूस - यूक्रेन को सीखना चाहिए

(4) निःस्वार्थ सेवा भावना - लगन के साथ बिना स्वार्थ के लोगों की सेवा करना ही मनुष्य व जीवन का लक्ष्य होना चाहिए।

जैसे:- महात्मा गांधी

(5) सहिष्णुता - विभिन्न धर्मों को आपसी सामंजस्य के साथ रहना चाहिए

जैसे:- इजरायल - फिलिस्तीन को सीखना चाहिए

उपर्युक्त के अतिरिक्त विनम्रता, सादगी, लोक सेवा की भावना, सत्यनिष्ठा इत्यादि मूल्यों को भी सीखा जा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

खंड B / SECTION B

निम्नलिखित प्रश्नों में प्रस्तुत प्रकरणों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में):

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

7. आप एक ऐसे शहर के पुलिस अधीक्षक हैं, जहां के किसी मंदिर में एक प्रमुख धार्मिक उत्सव आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में दस लाख से अधिक तीर्थयात्रियों के शामिल होने की संभावना है, जो मंदिर की अवसंरचनात्मक क्षमता से कहीं अधिक है। व्यापक योजना और एहतियाती उपायों के बावजूद, मुख्य मंदिर के प्रवेश द्वार के पास अचानक भीड़ उमड़ने से भगदड़ मच गई, जिससे कई लोग हताहत हुए और अनेक लोग घायल हो गए। स्थिति इतनी अधिक गंभीर हो गई कि मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं में दहशत फैल गई है।

इस जटिलता को और गंभीर बनाते हुए, व्हाट्सएप ग्रुप और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी खबरें तेजी से प्रसारित हो रही हैं, जिसमें भगदड़ को सांप्रदायिक झड़पों से जोड़कर दिखाया जा रहा है। ये फर्जी खबरें आम जनता में व्यापक दहशत पैदा कर रही हैं और इनसे जिले में सांप्रदायिक दंगों के भड़कने का खतरा उत्पन्न हो गया है।

पुलिस अधीक्षक के रूप में, आप स्वयं को इस संकट के केंद्र में पाते हैं, जहां आपके सामने भगदड़ के तत्काल बाद की स्थिति को संभालने तथा संभावित रूप से खतरनाक गलत सूचनाओं के प्रसार को रोकने की दोहरी चुनौती विद्यमान है।

(a) इस मामले में शामिल प्रमुख हितधारकों की पहचान कीजिए।

(b) स्पष्ट कीजिए कि आप एक पुलिस अधीक्षक के रूप में, भगदड़ की स्थिति से निपटने और सोशल मीडिया के माध्यम से फर्जी खबरों के प्रसार को रोकने के लिए क्या उपाय अपनाएंगे।

(c) चर्चा कीजिए कि इन उपायों को लागू करते समय, विशेष रूप से सार्वजनिक सुरक्षा तथा व्यक्तिगत अधिकारों एवं धार्मिक भावनाओं के बीच संतुलन बनाने के लिए, आपको किन नैतिक बातों को ध्यान में रखना चाहिए। (उत्तर 250 शब्दों में दें)

You are the Superintendent of Police in a city hosting a major religious festival at a temple. The event is expected to attract over a million pilgrims, far exceeding the temple's infrastructure capacity. Despite extensive planning and precautionary measures, a sudden crowd surge near the main shrine entrance has resulted in a stampede, causing multiple casualties and numerous injuries. The situation has escalated, with panic spreading among the devotees present at the temple.

Adding to the complexity, instances of fake news are rapidly circulating through WhatsApp groups and social media platforms, falsely attributing the stampede to communal clashes. This misinformation is causing widespread panic among the general public and threatens to ignite communal riots in the district.

As the Superintendent of Police, you find yourself at the center of this crisis, faced with the dual challenge of managing the immediate aftermath of the stampede and countering the spread of potentially dangerous misinformation.

2366
VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) Identify the key stakeholders involved in this case.

(b) Explain the measures you, as the Superintendent of Police, will take to address the stampede situation and curb the spread of fake news through social media.

(c) Discuss the ethical considerations you must keep in mind while implementing these measures, particularly in balancing public safety with individual rights and religious sentiments. (Answer in 250 words) 20

उपर्युक्त मामले में सार्वजनिक व्यवस्था के बिगड़ने से व्यक्तिगत अधिकारों तथा धार्मिक भावनाओं में असंतुलन पैदा हो गया है।

प्रमुख हितधारक

1. श्रद्धालु
2. घायल व्यक्ति
3. प्रशासनिक अधिकारी
4. स्थानीय समुदाय
5. धार्मिक नेता
6. मीडिया।
7. स्थानीय समुदाय
8. आपातकालीन सेवा प्रदाता संस्थाएँ

(b) पुलिस अधीक्षक के रूप में किये गये उपाय

(1) झगड़े से निपटने के लिए

→ अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करना ताकि भीड़ को नियंत्रित किया जा सके।

→ तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान कराना

→ स्थिति पर नियंत्रण, प्रबंधन एवं निगरानी हेतु मंदिर प्रशासन की मदद लेना

→ लाउडस्पीकर के माध्यम से जनता को स्थिति के अनुकूल व्यवहार करने के लिए अनुरोध करना।

(2) फर्जी खबरों के प्रचार को रोकने के लिए

→ साइबर अपराध यूनिट के साथ समन्वय

करके निगरानी एवं प्रबंधन करना

→ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों से समन्वय करके दुष्प्रचार युक्त सामग्री के प्रचार पर रोकने का प्रयास करना।

→ स्थानीय धार्मिक एवं सामुदायिक नेताओं से समन्वय स्थापित करके लोगों को विश्वास में लेने का प्रयास करना।

→ सूचना प्रसार एवं मीडिया के रोकथाम हेतु एक समर्पित टीम का गठन करना।

→ अपराधियों के खिलाफ सख्त कारवाई करना।

(3) जन जागरूकता के माध्यम से जनता को शिक्षित करना, अधिकारों एवं कर्तव्यों से अवगत कराना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) नैतिक मुद्दों का ध्यान रखना

① निष्पक्षता एवं सत्यनिष्ठ से सम्पूर्ण स्थिति का सामना करना तथा उस पर कार्य करना

② सार्वजनिक व्यवस्था तथा व्यक्तिगत अधिकारों के मध्य संतुलन स्थापित करना

③ धार्मिक भावनाएँ तथा धार्मिक स्वतंत्रताओं का सम्मान बनाये रखना

④ उत्तरदायी शासन की स्थापना हेतु प्रतिबद्ध रहना

⑤ खुलापन तथा पारदर्शिता की संस्कृति को अपनाते हुए सूचनाओं को जनता के बीच साझा करना।

उपर्युक्त स्थिति कानून तथा व्यवस्था व व्यक्तिगत अधिकारों के मध्य संतुलन का कार्य स्थापित करेंगे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता रवि शर्मा एक प्रमुख बोतलबंद पानी की कंपनी द्वारा प्रस्तावित लाभकारी विज्ञापन अनुबंध को लेकर नैतिक दुविधा में फंस गए हैं।

हालांकि, बोतलबंद पानी की कंपनी शराब के एक प्रमुख ब्रांड की सहायक कंपनी है और पानी की बोतलों पर भी वही ब्रांडिंग की गई है जो शराब उत्पादों पर की गई है। विज्ञापन अभियान एक स्वस्थ उत्पाद को बढ़ावा देने की आड़ में शराब ब्रांड की छवि को मजबूत करने के लिए बनाया गया है।

रवि को अपनी सामाजिक रूप से जिम्मेदार छवि और स्वस्थ जीवन का समर्थन करने के लिए जाना जाता है। वह शराब के हानिकारक प्रभावों के बारे में अच्छी तरह से अवगत हैं, क्योंकि शराब से संबंधित बीमारी के कारण उनके परिवार के एक सदस्य की मृत्यु हो गई थी। हालांकि, इस विज्ञापन अनुबंध से मिलने वाला वित्तीय लाभ काफी अधिक है और यह रवि के परोपकारी कार्यकलापों, विशेषकर वंचित समुदायों को शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की उसकी पहलों को काफी हद तक समर्थन प्रदान कर सकता है।

यह स्थिति रवि को दुविधा में डाल देती है, जहां उसे दो विकल्पों में से किसी एक विकल्प अर्थात वह अप्रत्यक्ष रूप से शराब के सेवन को बढ़ावा देने वाले अनुबंध को स्वीकार कर सकता है या फिर नैतिक आधार पर उसे अस्वीकार कर सकता है, जिससे उसे अपने परोपकारी कार्यों के लिए बड़ी धनराशि से हाथ धोना पड़ सकता है, का चयन करना पड़ेगा।

(a) रवि द्वारा बोतलबंद पानी के उत्पाद का विज्ञापन करने के निर्णय में कौन-से नैतिक मुद्दे शामिल हैं?

(b) सेलिब्रिटी विज्ञापनों के व्यापक निहितार्थों तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य और उपभोक्ता व्यवहार पर उनके प्रभावों की चर्चा कीजिए।

(c) रवि जैसी लोक हस्तियां विज्ञापन उद्योग में नैतिक व्यावसायिक कार्यपद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए अपने प्रभावशाली व्यक्तित्व का उपयोग कैसे कर सकती हैं? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Ravi Sharma, a renowned movie actor, finds himself in an ethical dilemma regarding a lucrative endorsement deal offered by a prominent bottled water company.

However, the bottled water company is a subsidiary of a major alcohol brand, and the water bottles carry the same branding as the alcohol products. The advertising campaign is designed to reinforce the alcohol brand's image under the guise of promoting a healthy product.

Ravi is known for his socially responsible public image and advocacy for healthy living. He is deeply aware of the harmful effects of alcohol, having lost a close family member to an alcohol-related illness. However, the financial reward from this endorsement deal is substantial and could significantly support Ravi's philanthropic activities, particularly his initiatives for providing education and healthcare to underprivileged communities.

This situation places Ravi at a crossroads, forcing him to choose between accepting a deal that could indirectly promote alcohol use and rejecting it on ethical grounds, potentially foregoing significant funding for his charitable work.

(a) What are the ethical issues involved in Ravi's decision to endorse the bottled water product?

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) Discuss the broader implications of celebrity endorsements and their influence on public health and consumer behaviour.

(c) How can public figures like Ravi use their influence to promote ethical business practices in the advertising industry? (Answer in 250 words) 20

जिम्मेदार फिल्म अभिनेता रवि शर्मा का भ्रामक विज्ञापन स्वीकार करना, नैतिक दुविधा का प्रश्न जिसमें दो विपरीत नैतिक मूल्य (ईमानदारी तथा सामाजिक उत्तरदायित्व) उपस्थित हैं।

प्रमुख नैतिक मुद्दे

(1) वित्तीय लाभ बनाम स्वयं की सत्यनिष्ठा

(2) ईमानदारी तथा सार्वजनिक छवि को बनाये रखना

(3) सामाजिक दायित्व बनाम व्यक्तिगत इच्छाएँ, आकांक्षाएँ

(4) भ्रामक विज्ञापन तथा जवाबदेही समाज के प्रति।

(b) सेलिब्रिटी विज्ञापनों के व्यापक निहितार्थ

(1) उपभोक्ता व्यवहार पर प्रभाव

सकारात्मक प्रभाव

- पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु अमिताभ बच्चन का विज्ञापन

नकारात्मक प्रभाव

- कोल्डड्रिंक का विज्ञापन

(2) स्वास्थ्य पर प्रभाव

- सकारात्मक प्रभाव
  → अमिताभ बच्चन द्वारा - च्यवनप्राश का विज्ञापन
- नकारात्मक प्रभाव
  → गुटके का विज्ञापन

(3) सांस्कृतिक मूल्यों में परिवर्तन

(4) अमीर तथा गरीबों के मध्य विभाजन स्थापित करना

(C) नैतिक व्यावसायिक कार्यपद्धतियों को बढ़ावा

---

(1) पारदर्शिता तथा ईमानदारी का समर्थन करना

(2) सामाजिक उपयोगी उत्पादों का ही विज्ञापन करना
जैसे:- विराट कोहली द्वारा कोल्ड ड्रिंक के विज्ञापन हेतु मना करना

(3) भ्रामक विज्ञापनों का विरोध जनता के सामने रखना

2366
VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) सांस्कृतिक मूल्यों को आहत करने वाले विज्ञापन या सामाजिक विज्ञापन पैदा करने वाले विज्ञापन करने हेतु मना करना

जैसे :- अमिताभ बच्चन द्वारा गुटके के विज्ञापन हेतु मना करना।

समाज में अभिनेता आम जनता का पथ प्रदर्शक होता है अतः उसे समाज में नैतिक प्रथाओं की स्थापना का प्रयास करना चाहिए।

9. आप एक कृषि प्रधान जिले में जिला मजिस्ट्रेट के पद पर नियुक्त हैं। हाल ही में, इस क्षेत्र में बेमौसम वर्षा हुई है, जिससे फसलों को अत्यधिक क्षति हुई है और किसान समुदाय भी संकट के कगार पर पहुंच गया है। खाद्यान्न खरीद प्रणाली में व्यापक भ्रष्टाचार के कारण स्थिति और भी गंभीर हो गई है।

आपको किसानों से अनाज खरीदने वाले गोदामों में व्यापक कदाचार की रिपोर्टें मिली है। इन भ्रष्ट गतिविधियों में खरीद प्रक्रिया में जानबूझकर विलंभ करना, तौल के पैमानों में हेरफेर करना, मनमाने तरीके से गुणवत्ता को अस्वीकार करना और हताश किसानों से रिश्वत की मांग करना शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप, किसानों को अत्यधिक वित्तीय हानि हुई है, कई किसान तो अपना लागत मूल्य भी वसूल नहीं कर पा रहे हैं।

कई किसान अपनी उपज बेचने में असमर्थ हैं जबकि अन्य न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) से बहुत कम कीमत पर अपनी उपज बेचने के लिए विवश हैं। इससे कृषक समुदाय के लिए वित्तीय संकट उत्पन्न हो गया है।

आपको इस जटिलता को और अधिक गंभीर बनाने वाली एक रिपोर्ट मिलती हैं जिससे पता चलता है कि कुछ स्थानीय राजनेता और प्रभावशाली व्यवसायी इन भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल हैं और किसानों की दुर्दशा से लाभ उठा रहे हैं। यदि तत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो संभावित किसान विरोध प्रदर्शनों एवं आंदोलनों के शुरू होने की भी अफवाहें हैं।

जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आपके सामने तात्कालिक संकट और इस स्थिति को जन्म देने वाले प्रणालीगत मुद्दों जिनके कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है, दोनों से निपटने की चुनौती है।

(a) इस मामले में शामिल प्रमुख हितधारकों और उनके संबंधित हितों की पहचान कीजिए।

(b) प्रभावित कृषक समुदाय को राहत प्रदान करने के लिए आपके द्वारा अपनाए जाने वाले तात्कालिक उपायों पर चर्चा कीजिए।

(c) आपके द्वारा चुने गए उपाय को क्रियान्वित करते समय आपके समक्ष आने वाली नैतिक दुविधाओं पर चर्चा कीजिए तथा स्पष्ट कीजिए कि आप उनसे कैसे निपटेंगे। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are posted as the District Magistrate in a predominantly agricultural district. Recently, the region has been hit by unseasonal rainfall, causing severe crop damage and pushing the farming community to the brink of crisis. The situation is further exacerbated by widespread corruption in the food grain procurement system.

You have received reports about rampant malpractices in the warehouses responsible for procuring food grains from farmers. These corrupt practices include deliberate delays in the procurement process, manipulation of weighing scales, arbitrary quality rejections, and demands for bribes from desperate farmers. As a result, farmers are facing significant financial losses, with many unable to recover even their input costs.

Many farmers are unable to sell their produce, while others are forced to sell at prices far below the Minimum Support Price (MSP). This has led to financial distress for the farming community.

Adding to the complexity, you have received reports suggesting that some local politicians and influential businessmen are involved in these corrupt practices, benefiting from the farmers' misery. There are also rumors of potential farmer protests and agitations if immediate action is not taken.

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

As the District Magistrate, you are faced with the challenge of addressing both the immediate crisis and the systemic issues that have led to this situation.

(a) Identify the key stakeholders involved in this case and their respective interests.

(b) Discuss the immediate measures you will take to provide relief to the affected farming community.

(c) Discuss the ethical dilemmas you might face while implementing your chosen course of action and how you would navigate them. (Answer in 250 words) 20

उपर्युक्त स्थिति में बिना मौसम बारिश होने के कारण फसल को भारी क्षति हुई है तथा खाद्यान्न खरीद प्रणाली में भ्रष्टाचार के कारण जिला मजिस्ट्रेट के रूप में मुझे दोहरे संकट का सामना करना पड़ रहा है।

प्रमुख हितधारक

1. किसान
2. खरीद एजेंसियाँ एवं खरीद अधिकारी
3. स्थानीय राजनेता और प्रभावशाली व्यवसायी वर्ग
4. जिला प्रशासन – जिला मजिस्ट्रेट

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) आम जनता तथा स्थानीय समुदाय

(6) सरकार

(b) तत्काल किये जाने वाले उपाय

(1) क्षति का आकलन करना – इसके लिए एक समर्पित टीम का गठन करना तथा वह सम्पूर्ण प्रकरण का दस्तावेजीकरण कराना।

(2) सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना

(3) किसानों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के विकल्पों से अवगत कराना।

(4) भ्रष्टाचार की जांच के लिए प्रवर्तन

एजेंसियों को अवगत करा कर उनके विरुद्ध कार्यवाही एवं जाँच हेतु समिति गठित करने का अनुरोध करना

(5) खरीद प्रक्रिया हेतु व्यवस्थित मानक, मापदंड, प्रक्रिया इत्यादि का निर्धारण करना।

(6) उपर्युक्त सभी स्थितियों पर कार्य की निगरानी हेतु व्यवस्था करना।

प्रमुख नैतिक दुविधाएँ –

(1) राजनीतिक दबाव बनाम नौकरी की सुरक्षा।

(2) वित्तीय लाभ बनाम सामाजिक उत्तरदायित्व को निभाना।

(3) निष्पक्षता बनाम तत्काल कार्यवाही हेतु संसाधन प्रबंधन

(4) पारदर्शिता बनाम कार्यालयी गोपनीयता व्यवहार

(5) संसाधनों का न्यायपूर्ण वितरण सुनिश्चित कराना

(6) सीमित संसाधनों में अधिकतम प्रबंधन या लाभ सुनिश्चित करना

उपर्युक्त स्थिति से व्यक्ति के जीवन का अधिकार सुनिश्चित होगा तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के व्यवहारिक प्रभावी होने की व्यवस्था हो सकेगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. हाल ही में एज़टैक के इंडिया डिवीजन के प्रमुख के रूप में नियुक्त श्री वी, कंपनी के शिशु आहार उत्पादों के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण नैतिक दुविधा का सामना कर रहे हैं। हाल ही में, यह बात लोगों के ध्यान में आई है कि भारत में एज़टैक के शिशु उत्पादों में एक बार के आहार के रूप में दी जाने वाली मात्रा में लगभग 3 ग्राम शर्करा की मात्रा होती है, जबकि जर्मनी और ब्रिटेन जैसे अमीर देशों में इसी तरह के उत्पादों में कोई अतिरिक्त शर्करा की मात्रा नहीं होती है। एज़टैक ने इस प्रथा का बचाव करते हुए कहा है कि चीनी की मात्रा स्थानीय नियमों के अनुरूप है। हालांकि, इन उत्पादों पर पोषण संबंधी जानकारी में अतिरिक्त शर्करा के बारे में विवरण का उल्लेख नहीं है।

इस खुलासे ने नागरिक समाज, गैर सरकारी संगठनों (NGOs) और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की तीखी प्रतिक्रिया को जन्म दिया है, जिनका तर्क है कि शिशु उत्पादों में शर्करा की अतिरिक्त मात्रा खतरनाक और अनावश्यक है। आलोचना के बढ़ने से एज़टैक की प्रतिष्ठा और बाजार में इसकी स्थिति खतरे में पड़ गई है।

श्री वी को एक गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ता है। इन शिशु उत्पादों को बाज़ार से हटाने से कंपनी को काफ़ी वित्तीय क्षति हो सकती है, जिससे संभावित रूप से कर्मचारियों की छंटनी हो सकती है और यहां तक कि कंपनी के बंद होने की संभावना भी हो सकती है, क्योंकि कंपनी की वित्तीय स्थिति पहले से ही ख़राब है। वरिष्ठ प्रबंधन उन पर दबाव बना रहा है कि वे इस मुद्दे का समाधान कंपनी के लाभ को प्रभावित करने वाले किसी बड़े परिवर्तन के बिना करें।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) उपर्युक्त स्थिति में श्री वी के लिए उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) श्री वी के लिए उपर्युक्त में से कौन-सा विकल्प सर्वाधिक उपयुक्त होगा और क्यों? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Mr. V, recently appointed as the head of Aztack's India division, faces a significant ethical dilemma regarding the company's baby food products. Recently, it has come to public attention that Aztack's baby products in India contain nearly 3 grams of sugar per serving, while similar products in wealthier nations like Germany and the UK have no added sugar. Aztack defends this practice, stating that the sugar levels comply with local regulations. However, the nutritional information on these products omits details about added sugars.

This revelation has sparked backlash from civil society, NGOs, and health experts, who argue that added sugar in baby products is dangerous and unnecessary. The criticism is growing, putting Aztack's reputation and market position at risk.

Mr. V faces a serious challenge. Removing these baby products from the market could result in significant financial losses for the company, potentially leading to employee layoffs and even the possibility of the company shutting down, given its already precarious financial state. The senior management is pressuring him to resolve the issue without making drastic changes that could affect the company's profit.

(a) Discuss the ethical issues involved in this case.

(b) Evaluate the options available to Mr. V in the above situation.

(c) Which of the above would be the most appropriate option for Mr.V and why? (Answer in 250 words) 20

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपर्युक्त प्रकरण बच्चों के स्वास्थ्य तथा जीवन के अधिकार और कम्पनी के वित्तीय लाभ एवं स्थिरता के मध्य संतुलन स्थापित करते हुए श्री वी की दुविधा को व्यक्त करता है।

प्रमुख नैतिक मुद्दे —

1. बच्चों के स्वास्थ्य को अनदेखा करना
2. कम्पनी के लाभ को अधिक महत्व देना
3. पारदर्शिता तथा जवाबदेही संस्कृति का अभाव
4. कम्पनी की दीर्घकालिकता को कमजोर करता है तात्कालिक लाभ के लिए।
5. कार्य की सुरक्षा का मुद्दा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(6) सार्वभौमिक मानकों का पालन न करना।

(7) कानूनों की अनदेखा करना

(b) श्री वी के पास उपलब्ध विकल्प

विकल्प - 1 — कुछ भी कार्यवाही न करे

गुण — (1) कम्पनी को लाभ

(2) व्यक्तिगत कार्य सुरक्षा तथा कम्पनी में छंटनी नहीं होगी

दोष — (1) शिशुओं के स्वास्थ्य को नुकसान - भावी नागरिक के रूप में कमजोर नागरिक का निर्माण।

(2) कानूनों का उल्लंघन

2366
VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) कम्पनी को दीर्घकालिक नुकसान

विकल्प - 2 - उत्पादों पर रोक लगा देना

गुण - 1) शिशुओं को स्वास्थ्य लाभ

2) कम्पनी को दीर्घकाल लाभ सुनिश्चित होना

3) कम्पनी पर विश्वास का निर्माण।

दोष) - 1) - कम्पनी को वित्तीय नुकसान

2) - कम्पनी में छांटनी से बेरोजगारी दर का बढ़ना

विकल्प - 3 - कम्पनी के उच्च अधिकारियों से इस संबंध में बात करना तथा इसके दीर्घकालिक नुकसान से अवगत कराना।

गुण - कम्पनी की साख में वृद्धि

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) कार्य की सुरक्षा भी बनी रहना।

(3) कम्पनी अपने उत्पाद को क्रमिक कम करके तात्कालिक वित्तीय नुकसान से भी बच सकती है,

दोष – लोगों के विरोध का सामना करना पड़ सकता है।

– कानूनी कार्रवाई का भय हो सकता है,

→ विकल्प-3 का चयन करना चाहिए क्योंकि –

(1) यह पोषण संबंधी मानकों का पालन करता है

(2) पारदर्शिता तथा जवाबदेही की संस्कृति पर आधारित है।

(3) कम्पनी के दीर्घकालिक हित में में है।

(4) कर्मचारियों के हित में है,

उपर्युक्त केस स्टडी कार्यालयी मूल्य एवं संस्कृति पर आधारित है जो पारदर्शिता पर आधारित होती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. सागर मेहता एक 42 वर्षीय पेशेवर है और उसका कॉर्पोरेट जगत में एक बेदाग रिकॉर्ड है। उसने हाल ही में इंफ्राटेक सॉल्यूशंस नामक कंपनी के CEO का पद धारण किया है। इंफ्राटेक सॉल्यूशंस भारत की सबसे बड़ी अवसंरचना क्षेत्र की कंपनियों में से एक है। इन्फ्राटेक को सड़कों और पुलों के डिजाइन एवं निर्माण में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है तथा इसने विगत तीन दशकों में एक मजबूत प्रतिष्ठा हासिल की है। यह कंपनी मुख्य रूप से राज्य लोक निर्माण विभागों की परियोजनाओं पर कार्य करती है और कभी-कभी राष्ट्रीय एजेंसियों से अनुबंध भी प्राप्त करती है।

सागर ने यह पद 15 वर्षों की कड़ी मेहनत और समर्पण के परिणामस्वरूप प्राप्त किया था। उसने केवल अपनी प्रतिभा और ईमानदारी के बल पर कॉर्पोरेट जगत में तरक्की की है तथा उसने सदैव नैतिक व्यावसायिक पद्धतियों का पालन किया है। इन्फ्राटेक के CEO के रूप में उसकी नियुक्ति को अक्सर विवादों से घिरे रहने वाले उद्योग में ताजी हवा के झोंके के रूप में देखा गया।

अपनी नई भूमिका में आठ महीने के बाद, सागर कंपनी को जिस दिशा में ले जा रहा था, उसे लेकर आत्मविश्वास महसूस कर रहा था। उसने नई प्रौद्योगिकियों को लागू किया, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया और अपनी परियोजनाओं में अधिक संधारणीय पद्धतियों के प्रयोग को बढ़ावा दिया।

एक शाम, कुछ वित्तीय दस्तावेजों की समीक्षा करने के दौरान, सागर ने एक पैटर्न देखा कि बड़े अनुबंधों की घोषणाओं से ठीक पूर्व विभिन्न अज्ञात संस्थाओं को बड़ी धनराशि भेजी जा रही थी। उत्सुक और थोड़ा चिंतित होकर, उसने इसकी गहराई से जांच करने का निर्णय किया। उसने पाया कि इंफ्राटेक उन राज्यों में सत्तारूढ़ राजनितिक दलों के सदस्यों के चुनाव अभियानों के लिए पर्याप्त राजनीतिक दान कर रहा था, जहां वे अनुबंधों को प्राप्त करने हेतु बोली लगा रहे थे। ये दान बड़ी सावधानी से समयबद्ध और रणनीतिक रूप से वितरित किए गए थे ताकि कंपनी द्वारा लाभकारी सरकारी परियोजनाओं के अनुबंध प्राप्त करने की संभावना अधिकतम हो सके।

सागर हमेशा साफ-सुथरा कार्य करने के लिए स्वयं पर गर्व महसूस करता था। इस मुद्दे को हल करने हेतु दृढ़ संकल्पित सागर ने इस मामले को बोर्ड की अगली बैठक में उठाया। उसे यह देखकर आश्चर्य और निराशा हुई कि निदेशक मंडल ने न केवल इस प्रथा को स्वीकार किया, बल्कि इसका दृढ़तापूर्वक बचाव भी किया। संदेश स्पष्ट था - बोर्ड को उम्मीद थी कि सागर इस प्रथा को जारी रखेगा तथा कोई भी विचलन न केवल कंपनी की स्थिरता को बल्कि CEO के रूप में उनकी स्थिति को भी खतरे में डाल सकता है।

जैसे ही सागर बैठक से बाहर निकला, उसने महसूस किया कि इस नैतिक दुविधा का बोझ उस पर बढ़ रहा है। एक तरफ, वह कंपनी की सफलता और इंफ्राटेक पर निर्भर हजारों कर्मचारियों की आजीविका के लिए उत्तरदायी था। दूसरी तरफ, अब वह एक ऐसे कृत्य में संलिप्त था जिसे वह नैतिक रूप से संदिग्ध और संभावित रूप से अवैध मानता था।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों का उल्लेख कीजिए।

(b) सागर के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) उसे क्या कारवाई करनी चाहिए? अपने उत्तर के समर्थन में कारण बताइए। (250 शब्दों में उत्तर लिखिए)

Sagar Mehta, a 42-year-old professional with an impeccable track record in the corporate world, had recently accepted the position of CEO at Infratech Solutions, one of India's largest infrastructure companies. Known for its expertise in designing and constructing roads and bridges, Infratech had built a strong

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

reputation over the past three decades, primarily working on projects for state public works departments and occasionally securing contracts with national agencies.

For Sagar, this role was the culmination of 15 years of hard work and dedication. He had climbed the corporate ladder through sheer talent and integrity, always adhering to ethical business practices. His appointment as CEO of Infratech was seen as a breath of fresh air in an industry often marred by controversies.

Eight months into his new role, Sagar was feeling confident about the direction in which he was steering the company. He had implemented new technologies, streamlined processes, and was pushing for more sustainable practices in their projects.

One evening, while reviewing some financial documents, Sagar noticed a pattern of large outflows to various obscure entities just before major contract announcements. Intrigued and slightly concerned, he decided to dig deeper. He found out that Infratech had been making substantial political donations to the election campaigns of ruling party members in states where they were bidding for contracts. These donations were carefully timed and strategically distributed to maximize the company's chances of securing lucrative government projects.

Sagar had always prided himself on running clean operations. Determined to address this issue, Sagar raised the matter at the next Board meeting. To his shock and dismay, the Board of Directors not only acknowledged the practice but also strongly defended it. The message was clear – the Board expected Sagar to continue this practice, and any deviation could jeopardize not just the company's stability but also his position as CEO.

As Sagar left the meeting, he felt the weight of this ethical dilemma bearing down on him. On the one hand, he was responsible for the company's success and the livelihoods of thousands of employees who depended on Infratech. On the other hand, he was now complicit in a practice that he found ethically questionable and potentially illegal.

(a) State the ethical issues involved in this case.

(b) Evaluate the options available to Sagar.

(c) What should be his course of action? Give reasons to support your answer. (Answer in 250 words) 20

ઉપર્યુક્ત પ્રકરણ વ્યક્તિગત નૈતિક મૂલ્યોં તથા કાર્યાલયી દબાવ કે મધ્ય સંતુલન પર આધારિત દુવિધા है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) प्रमुख नैतिक मुद्दे

① हितों का टकराव — व्यक्तिगत नैतिक सत्यनिष्ठा जैसे मूल्य तथा राजनीतिक दबाव

② मिलीभगत युक्त भ्रष्टाचार का सामना करना जिससे क्रोनी कैपिटलिज्म को बढ़ावा मिलता है।

③ लोगों का भरोसा दाव पे होना।

④ अनैतिक व्यवसायिक प्रथाओं को बढ़ावा देना।

⑤ कर्मचारियों तथा अन्य के मध्य कार्यालयी संस्कृति का गलत उदाहरण प्रस्तुत करना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) सागर के समक्ष विकल्प

विकल्प-1 :- चुप रहने का विकल्प

गुण - (1) कर्मचारियों की आजीविका सुरक्षित

(2) कम्पनी का लाभ बना रहेगा

दोष -(1) भ्रष्टाचार को बढावा तथा संस्थागत होना।

(2) व्यवसायिक नैतिकता का उल्लंघन

(3) व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा जैसे मूल्यों से समझौता।

विकल्प-2 - भ्रष्टाचार को उजागर करना

गुण - (1) अवैध नैतिक प्रथाओं पर रोक।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) व्यक्तिगत मूल्यों से समझौता नहीं

(3) समाज में पूर्वोदाहरण प्रस्तुत करना

दोष :- (1) कम्पनी को नुकसान

(2) कर्मचारियों की आजीविका प्रभावित

विकल्प - 3 बोर्ड से बातचीत करना

गुण -(1) बोर्ड से बातचीत से कोई मध्यम मार्ग निकलना।

(2) कर्मचारियों की आजीविका सुरक्षित

(3) नैतिक मूल्यों से समझौता भी नहीं

दोष - यदि बोर्ड सहमत न हो तो आजीविका के साथ व्यक्तिगत भी नुकसान पहुँचा सकता है ताकि बात को बाहर उजागर न किया जा सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) सर्वोत्तम कार्यवाही

(1) बोर्ड के साथ बातचीत करना तथा मध्यम मार्ग निकालना तथा उन्हें भ्रष्टाचार के दीर्घकालिक नुकसान तथा कानूनी कारवाही होने से अवगत कराना।

(2) यदि बोर्ड बातचीत में समाधान न निकले तो कुछ समय लेना तब तक भ्रष्टाचार युक्त योजनाओं को रोकने का अनुरोध करना।

(3) यदि उपर्युक्त दोनों विकल्प न माने जाये तो व्यक्तिगत रूप से स्वयं ही त्याग-पत्र दे देना।

उपर्युक्त पक्ष सत्यनिष्ठा से जुड़े हैं जिससे कोई समझौता नहीं किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. आप राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) में एक वरिष्ठ अधिकारी हैं और आपकी प्राथमिक भूमिका यह सुनिश्चित करना है कि देश भर में प्रवेश परीक्षा के प्रोटोकॉल का एक समान रूप से अनुपालन किया जाए। आप शिक्षा प्रशासन में अपने विगत दो दशकों से अधिक के अनुभव के साथ, हमेशा परीक्षा प्रक्रिया में निष्पक्षता और पारदर्शिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर गर्व करते हैं।

पिछले माह, NTA ने देश भर में मेडिकल प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह-प्रवेश परीक्षा (NEET) का आयोजन किया। इस अत्यंत प्रतिस्पर्धी परीक्षा में 20 लाख से अधिक अभ्यर्थी सम्मिलित हुए, जिनमें से प्रत्येक प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों में सीट प्राप्त करने की अपेक्षा कर रहा था।

हालांकि, परीक्षा के कुछ दिनों के भीतर, आपके कार्यालय में विभिन्न स्रोतों से चौंकाने वाली रिपोर्टें आने लगीं। कई राज्यों में स्थानीय समाचार पत्रों द्वारा कथित पेपर लीक के समाचार प्रकाशित किए जाने लगे। आपके फोन पर चिंतित अभिभावकों और छात्रों के कॉल आने लगे। वे आपको परीक्षा केंद्रों पर अनियमितताओं की रिपोर्ट कर रहे थे। इसमें अभ्यर्थियों द्वारा मोबाइल फोन के उपयोग करने, कुछ अभ्यर्थियों को अतिरिक्त समय देने और यहां तक कि प्रॉक्सी अभ्यर्थियों को परीक्षा देते हुए देखे जाने के दावे शामिल थे।

जैसे-जैसे ये रिपोर्टें आपके सामने आती हैं वैसे-वैसे स्थिति तेजी से बिगड़ती जाती है। राष्ट्रीय मीडिया ने इस समाचार को प्रमुखता से उठाया और जल्द ही यह प्रत्येक समाचार चैनल की सुर्खियों में आ गया। सोशल मीडिया पर "जस्टिस फॉर स्टूडेंट" हैशटैग के साथ व्यापक चर्चा होने लगी। अभिभावक संगठन आपके कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे तथा पुनर्परीक्षा के साथ दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की मांग कर रहे थे।

इस अव्यवस्था के बीच, आपको शिक्षा मंत्री का फोन आता है, जो स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं और त्वरित कार्रवाई की मांग करते हैं। आप पर त्वरित कार्रवाई का दबाव बहुत अधिक है, लेकिन आप यह जानते हैं कि बिना गहन जांच के जल्दबाजी में लिए गए किसी भी निर्णय के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं।

इस पेशेवर चुनौती के मध्य आपको एक व्यक्तिगत दुविधा का सामना करना पड़ता है जिससे यह मामला और अधिक जटिल बन जाता है। आपकी बेटी ने भी इस वर्ष NEET परीक्षा दी थी। वह दो वर्ष से तैयारी कर रही थी और प्रायः देर रात तक अध्ययन करती थी।

प्रारंभ में, आपकी बेटी अपनी परीक्षा के प्रदर्शन को लेकर उत्साहित थी। किंतु अनियमितताओं के समाचारों के बाद से, आपने उसके व्यवहार में परिवर्तन देखा है। वह असामान्य रूप से चुप रहती है तथा रात के भोजन के दौरान नजरें चुराती है एवं अपने कमरे में ही अधिक समय व्यतीत करती है।

एक शाम, असहनीय तनाव के कारण आप अपनी बेटी से बातचीत करते हैं। बहुत समझाने के बाद, वह टूट जाती है और रोते हुए स्वीकार करती है कि उसने कुछ राशि के बदले एक निजी सोशल मीडिया चैनल के माध्यम से लीक हुए कुछ प्रश्न प्राप्त किए थे। वह दावा करती है कि उसे यकीन नहीं था कि वे प्रश्न वास्तविक थे, किंतु फिर भी उसने उनकी तैयारी की। अब वह आपसे कोई कार्रवाई न करने की विनती करती है।

इस स्थिति में आप अपने पेशेवर कर्तव्य और अपनी बेटी के प्रति अपने प्रेम के बीच दुविधा में उलझ जाते हैं, तो आपको आपके निर्णय के बोझ का एहसास होता है। ऐसे में संपूर्ण परीक्षा प्रणाली की सत्यनिष्ठा के साथ लाखों छात्रों का भविष्य भी दांव पर लगा है, जिसमें आपकी बेटी भी शामिल है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) परीक्षा प्रोटोकॉल सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी व्यक्ति के रूप में, आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? आप क्या कार्रवाई करेंगे और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a senior official in the National Testing Agency (NTA) and your primary role is to see if the entrance exam protocols are followed uniformly across the country. With over two decades of experience in education administration, you have always prided yourself on your commitment to fairness and transparency in the examination process.

Last month, the NTA conducted the National Eligibility cum Entrance Test (NEET) for medical admissions across the country. Over 2 million aspirants appeared for this highly competitive exam, each hoping to secure a seat in prestigious medical colleges.

However, within days of the exam, your office is inundated with alarming reports from various sources. Local newspapers carry stories of alleged paper leaks in several states. Your phone rings constantly with calls from concerned parents and students reporting irregularities at exam centers - claims of candidates using mobile phones, some being granted extra time, and even sightings of proxy candidates taking the test.

As you grapple with these reports, the situation escalates rapidly. National media picks up the story, and soon it's the headline on every news channel. Social media is abuzz with hashtags demanding justice for the students. Parents' associations are organizing protests outside your office, calling for a re-examination and severe punishment for the culprits.

Amidst this chaos, you receive a call from the Education Minister, who expresses grave concern over the situation and demands immediate action. The pressure to act swiftly is immense, but you know that a hasty decision without thorough investigation could have far-reaching consequences.

As if the professional challenge was not daunting enough, you face a personal dilemma that threatens to complicate matters further. Your daughter also took the NEET exam this year. She had been preparing for two years, often studying late into the night.

Initially, your daughter had been ecstatic about her performance in the exam. However, since the news of irregularities broke, you have noticed a change in her behavior. She has been unusually quiet, avoiding eye contact during dinner, and spending more time alone in her room.

One evening, unable to bear the tension, you confront your daughter. After much prodding, she breaks down and confesses. Tearfully, she admits to having accessed some leaked questions through a private social media channel, in exchange for money. She claims she was not sure if they were genuine, but prepared them anyway. She is now pleading with you to not take any action.

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

As you stand there, torn between your professional duty and your love for your daughter, you realize the weight of the decision before you. The integrity of the entire examination system hangs in the balance, as does the future of millions of students - including your own child.

(a) Discuss the ethical issues involved in this case.

(b) As a person responsible for ensuring exam protocols, what are the options available to you? What course of action will you follow and why?(Answer in 250 words) 20

उपर्युक्त प्रकरण व्यक्तिगत हित बनाम कार्यालयी कर्तव्य, पद की प्रतिष्ठा से जुड़ा है जो प्राथिकी तथा सत्यनिष्ठा के मध्य दुविधा पैदा करता है।

प्रमुख नैतिक मुद्दे

1. हितों का टकराव – निजी हित बनाम पद का कर्तव्य
2. सार्वजनिक स्वास्थ्य को खतरा।
3. बच्चों में मूल्यों का विकास न हो पाना
4. न्याय एवं निष्पक्षता।
5. कार्यालयी संस्कृति

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(6) संस्था तथा जनता के प्रति जवाबदेही

(b) मेरे पास उपलब्ध विकल्प

विकल्प-1 - कोई कार्रवाई नहीं करना

गुण - (1) मेरी बेटी की सुरक्षा सुनिश्चित
(2) अतिरिक्त कार्य से मुक्ति

दोष :- (1) मेहनती छात्रों के साथ अन्याय
(2) परीक्षा प्रणाली पर अविश्वास
(3) मेरी सत्यनिष्ठा के साथ समझौता।

विकल्प-2 - कार्रवाई करना

गुण - (1) छात्रों के साथ न्याय होना
(2) परीक्षा प्रणाली पर जनता का

विश्वास निर्माण होना

(3) सत्यनिष्ठा से समझौता नहीं

दोष - (1) मेरी बेटी तथा पारिवारिक स्थिति का खराब होना

(2) बेटी के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई से उसका भविष्य खराब होना

विकल्प - 3 - विशेष जाँच दल का गठन करना तथा स्वयं को इस दल से दूर रखना

गुण - निष्पक्ष जाँच हो पायेगी

- कार्यालयी सत्यनिष्ठा स्थापित हो पायेगी

- पूर्वोदाहरण स्थापित होगा।

- बेटी के भीतर मूल्यों का विकास हो पायेगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

दोष :- सार्वजनिक संसाधनों का दुरुपयोग

— बेटी के भविष्य का तात्कालिक नुकसान

उ) मैं विकल्प - 3 का चुनाव करूंगा क्योंकि —

① निष्पक्षता तथा पारदर्शिता की संस्कृति स्थापित

② न्याय की स्थापना।

③ मेरी बेटी के लिए भी दीर्घकालिक रूप से यही सबसे उपयुक्त है।

हालही में सरकार ने इस तरीके के प्रकरण को रोकने हेतु सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का उपयोग) अधिनियम, 2024 पारित किया है जो इस तरीके की अवस्था पर अंकुश स्थापित होगा।

Call us : 8468022022, 9019066066

Visit us : www.visionias.in